भारत सरकार

मात्स्यिकी, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 458

दिनांक 25 जून, 2019 के लिए प्रश्न

विषय: पशुपालन को बढ़ावा

458. श्री जी॰एम॰ सिद्देश्वराः

क्या मात्स्यिकी, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने किसानों के बीच पशुपालन को बढ़ावा देने हेतु कोई विशेष योजना शुरू की है जिससे उन्हें अतिरिक्त आय प्राप्त हो सके तथा इससे कृषि अवशेषों का उपयोग होकर और कृषि गतिविधियां हेतु जैविक खाद का भी निर्माण होगा जिससे उत्पादन बढ़ेगा;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) कर्नाटक में गाय, भैंस, भेड़ और बकरियों के पालन हेतु किसानों को प्रदत्त तकनीकी और आर्थिक सहायता का जिला-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मात्स्यिकी, पशुपालन और डेयरी राज्यमंत्री

(डॉ0 संजीव कुमार बालियान)

(क)और (ख) जी, हां। सरकार पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रयासों को सम्पूरित करने के लिए विभिन्न योजनाएं कार्यान्वित कर रही है, नामत:

i. राष्ट्रीय गोकुल मिशन
ii. राष्ट्रीय पशुधन मिशन
iii. पशुधन स्वास्थ्य तथा रोग नियंत्रण

सरकार वर्ष 2014-15 से राष्ट्रीय पशुधन मिशन कार्यान्वित कर रही है जिसके अंतर्गत फसल अवशेषों को संपुष्ट चारा ब्लाकों में परिवर्तित करने हेतु उच्च क्षमतायुक्त चारा ब्लाक निर्माण यूनिट स्थापित करने के घटक के तहत वित्तीय सहायता मुहैया कराने का प्रावधान शामिल है जिससे अतिरिक्त आय प्राप्त होगी।

(ग) राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत पिछले पांच वर्षों के दौरान गोपशु और भैंसो की आबादी के विकास और संरक्षण के लिए के लिए कर्नाटक राज्य को 2,281.38 लाख रुपये की राशि जारी की गई है। इसी प्रकार राष्ट्रीय पशुधन मिशन के तहत पिछले पांच वर्षों के दौरान छोटे जुगाली करने वाले पशुओं (भेड़ और बकरी) सुअर और कुक्कुट के विकास के लिए कर्नाटक राज्य को 2099.52 लाख रुपये की राशि जारी की गई है। तथापि, भारत सरकार द्वारा किसानों को सीधे कोई सहायता उपलब्ध नहीं करायी जाती है।

****